मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी)

सन्दर्भ:

- हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने वैश्विक बैंकिंग संकट पर चिंताओं के बीच वर्तमान 6.5 प्रतिशत रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया।

मुख्य विशेषताएं:

- रेपो दर को अपरिवर्तित रखने का निर्णय छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया था।
- भारतीय रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी आएगी
- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2023-24 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के 5.2 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया है।
- एमपीसी यह सुनिश्चित करने के लिए समायोजन की वापसी पर ध्यान केंद्रित करता है कि विकास का समर्थन करते हुए मुद्रास्फीति उत्तरोत्तर लक्ष्य के साथ संरेखित हो।
- चालू वित्त वर्ष की पहली बैठक में एमपीसी के रोक लगाने के फैसले से कर्जदारों को राहत मिलेगी क्योंकि बाहरी ईबीएलआर जो रेपो दर से जुड़ी हैं, में वृद्धि नहीं होगी।
- **अपरिवर्तित रखने का कारण:** आरबीआई ने अपने मौद्रिक नीति दृष्टिकोण के लिए दीर्घकालिक भू-राजनीतिक तनाव, तंग वैश्विक वित्तीय स्थितियों और वैश्विक वित्तीय बाजार की अस्थिरता को रेखांकित किया।

मुद्रास्फीति पूर्वानुमान :

- कच्चे तेल की $ 85 प्रति बैरल के वार्षिक औसत कीमत और एक सामान्य मानसून मानते हुए, आरबीआई ने 2023-24 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 5.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।
- यह फरवरी 2023 की नीति में घोषित 5.3% की अपेक्षा से कम है।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के बारे में :

- संशोधित आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45ZB के तहत केंद्र सरकार को छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (MPC) का गठन करने का अधिकार है।
- पहली MPC का गठन 29 सितंबर, 2016 को किया गया था।
- **कार्य:** यह मुद्रास्फीति लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक नीतिगत ब्याज दर निर्धारित करता है।
- इस समिति में निर्णय बहुमत से लिए जाते हैं और मत बराबर होने की स्थिति में गवर्नर के पास निर्णायक मत होता है।
- इस समिति का निर्णय बैंक पर बाध्यकारी होगा।

संघटन :

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **विकास प्रक्षेपण:** आरबीआई ने 2023-24 के लिए वास्तविक जीडीपी विकास दर 6.5% रहने का अनुमान लगाया है।
- यह फरवरी 2023 की नीति में किए गए 6.4 प्रतिशत के पूर्वानुमान से अधिक है।

अध्यक्ष सहित इस समिति में छह सदस्य हैं -

- आरबीआई गवर्नर इसके पदेन अध्यक्ष के रूप में
- उप गवर्नर, मौद्रिक नीति के प्रभारी के रूप में
- केंद्रीय बोर्ड द्वारा नामित बैंक का एक अधिकारी
- केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाने वाले तीन व्यक्ति।

भगवान महावीर

सन्दर्भ:

- हाल ही में भगवान महावीर के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में महावीर जयंती मनाई गई।

मुख्य विशेषताएं:

- भगवान महावीर जैन धर्म के चौबीसवें और अंतिम तीर्थंकर थे।
- जैन दर्शन के अनुसार, सभी तीर्थंकरों का जन्म मनुष्य के रूप में हुआ था, लेकिन उन्होंने ध्यान और आत्म-साक्षात्कार के माध्यम से पूर्णता या ज्ञान की स्थिति प्राप्त कर वे देव रूप में प्रसिद्ध हुए।
- इन तीर्थंकरों को अरिहंत या जिन के नाम से भी जाना जाता है।
- तीर्थंकर - जो धर्म के चार गुना क्रम (भिक्षु, नन, आम आदमी और आम महिला) की स्थापना करता है।
- अरिहंत - वह जो अपने भीतर के शत्रुओं जैसे
- महावीर ने अगले तीस साल पूरे भारत में नंगे पैर यात्रा करते हुए लोगों को उस शाश्वत सत्य का प्रचार करने में बिताया, जिसे उन्होंने महसूस किया था।
- इनके शिक्षण का अंतिम उद्देश्य यह है कि कैसे कोई जीवन-मृत्यु, दुख और सुख के चक्र से पूर्ण मुक्ति प्राप्त कर स्वयं की स्थायी आनंदमय स्थिति को प्राप्त कर सकता है।
- इसे मुक्ति, निर्वाण, पूर्ण स्वतंत्रता या मोक्ष के रूप में भी जाना जाता है।
- उन्होंने अपने अनुयायियों को चार गुना क्रम अर्थात् - भिक्षु (साधु), नन (साध्वी), आम आदमी (श्रावक), और आम महिला (श्राविका) में संगठित किया। इसके बाद में वे जैन कहलाए।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि को नष्ट कर देता है।

- जिन - वह जो अपने भीतर के शत्रुओं जैसे क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि पर विजय प्राप्त करता है, जिन के अनुयायियों को जैन के रूप में जाना जाता है।
- इनका जन्म 599 ईसा पूर्व क्षत्रियकुंड (जो प्रसिद्ध वैशाली गणराज्य का एक हिस्सा था) में हुआ था।
- भगवान महावीर की शिक्षाओं को उनके प्रत्यक्ष शिष्यों द्वारा आगम सूत्र में मौखिक रूप से एकत्र किया गया।
- यह आगम सूत्र मौखिक रूप से पीढ़ी दर पीढ़ी प्रचलित हुए।
- महावीर के शिक्षण का प्राथमिक लक्ष्य मोक्ष की उपलब्धि या सांसारिक बंधनों से आत्मा की मुक्ति है।
- 30 वर्ष की आयु में वह अपने परिवार को छोड़ कर कपड़ों सहित अपनी सांसारिक संपत्ति को त्याग दिया और एक साधु बन गए।
- महावीर ने अपनी इच्छाओं, भावनाओं और आसक्तियों पर विजय पाने के लिए अगले साढ़े बारह वर्ष गहरे मौन और ध्यान में बिताए।
- **महावीर के सिद्धांत और शिक्षाएँ:** महावीर ने उपदेश दिया कि सही विश्वास (सम्यक दर्शन), सही ज्ञान (सम्यक ज्ञान), और सही आचरण (सम्यक चरित्र) एक साथ स्वयं के कर्म से मुक्ति पाने का वास्तविक मार्ग है।
- महावीर ने गृहस्थों और भिक्षुओं दोनों के लिए एक नैतिक नियम स्थापित किया।
  - अहिंसा: जीव को क्षति न पहुँचाना।
  - सत्य: असत्य न बोलना।
  - अस्तेय: चोरी न करना।
  - अपरिग्रह: संपत्ति का अधिग्रहण न करना।
  - ब्रह्मचर्य: संयम का पालन करना।

72 वर्ष की आयु में (527 ईसा पूर्व), भगवान महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया और उनकी शुद्ध आत्मा ने शरीर त्याग कर पूर्ण मुक्ति प्राप्त की।

संक्षिप्त सुर्खियां

भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023	**सन्दर्भ:** • प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सुरक्षा मुद्दे पर कैबिनेट समिति द्वारा भारतीय अंतरिक्ष

नीति 2023 को अनुमोदित किया गया।

मुख्य विशेषताएं:

- इस नीति का उद्देश्य अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को संस्थागत बनाने तथा इसरो के उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देना है।
- यह नीति इसरो, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का भी निर्धारण करती है।
- इस नीति से निजी क्षेत्र उपग्रहों, रॉकेटों और लॉन्च वाहनों के निर्माण, डेटा संग्रह और प्रसार जैसी शुरू से अंत तक की अंतरिक्ष गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम होगा।
- न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित रणनीतिक गतिविधियों को अंजाम दिया जाएगा, जो मांग-संचालित मोड में कार्य करेगा।
- इसरो के मिशनों के परिचालन भाग को एनएसआईएल में ले जाया जाएगा।
- इसरो अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए कोई परिचालन और उत्पादन कार्य नहीं करेगा और अपनी ऊर्जा को नई तकनीकों, नई प्रणालियों और अनुसंधान और विकास के विकास पर केंद्रित करेगा।

महत्व:

- इस नीति का उद्देश्य अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाना और वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी को 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक करना है।

गद्दी संस्कृति

सन्दर्भ:

- भारत की एक पर्वतारोही अंजलि शर्मा ने अफ्रीका में माउंट किलिमंजारो पर्वत की चोटी पर पारंपरिक गद्दी पोषक पहनकर सफलतापूर्वक चढ़कर इतिहास रच दिया है।
- वह गद्दी की पोशाक पहनकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय

<table>
<tr><td> </td><td>महिला हैं, और उनका लक्ष्य पर्वत चोटियों पर गद्दी संस्कृति को बढ़ावा देना है।

गद्दी संस्कृति के बारे में:
• गद्दी संस्कृति गद्दी लोगों की संस्कृति को संदर्भित करती है, जो हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित एक समुदाय हैं।
• इनकी अपनी अनूठी परंपराएं, रीति-रिवाज, भाषा और पहनावा है।
• ये अपनी खानाबदोश जीवन शैली और पशुपालन, विशेष रूप से भेड़ और बकरी पालन में विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं।
• गद्दी पारगमन की एक अनूठी प्रणाली का पालन करते हैं, जिसमें गर्मी के महीनों के दौरान अपने भेड़ और बकरियों के झुंड को ऊंचाई पर ले जाना और सर्दियों के दौरान निचले मैदानों में उतरना शामिल है। गद्दी पोशाक, जिसे लुआंचड़ी के नाम से भी जाना जाता है, गद्दी लोगों द्वारा पहनी जाने वाली एक पारंपरिक पोशाक है।
• इसमें एक ऊनी कोट या जैकेट, एक पगड़ी, एक ऊनी टोपी और ऊनी पतलून होते हैं।
• गद्दी संस्कृति की एक समृद्ध मौखिक परंपरा है जिसमें कई कहानियां, गीत और कहावतें पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही हैं।
• इनके संगीत और नृत्य जैसे नाटी, जी और झांझर, उनकी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और त्योहारों और सामाजिक समारोहों के दौरान प्रदर्शित किए जाते हैं।

माउंट किलिमंजारो:
• माउंट किलिमंजारो अफ्रीका के पूर्वी भाग में तंजानिया में स्थित एक निष्क्रिय ज्वालामुखी है।
• यह समुद्र तल से 5,895 मीटर (19,341 फीट) की ऊंचाई के साथ, अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी है।</td></tr>
<tr><td>क्वासर</td><td>सन्दर्भ:
• हबल स्पेस टेलीस्कॉप और अन्य वेधशालाओं का उपयोग करने वाले खगोलविदों ने दो विलय वाली आकाशगंगाओं के अंदर गुरुत्वाकर्षण-बद्ध क्वासर की एक जोड़ी की</td></tr>
</table>

<table>
<tr>
<td> </td>
<td>
खोज की है।

क्वासर:

क्वासर एक अत्यंत चमकदार सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक है।
सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक है, जो एक सुपरमैसिव ब्लैक होल में गिरने वाली गैस और धूल पूरे विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम में विद्युत चुम्बकीय विकिरण उत्सर्जित करती है।
ऐसा माना जाता है कि क्वासर ब्रह्मांड के उन क्षेत्रों में बनते हैं जहां बड़े पैमाने पर पदार्थ का घनत्व औसत से बहुत अधिक होता है।
चमकीले क्वासर (ऊर्जा के फव्वारे को बाहर निकालने वाले ब्लैक होल द्वारा संचालित) तब अस्तित्व में थे जब ब्रह्मांड सिर्फ 3 अरब वर्ष पुराना था।
नई वेधशालाओं ने वैज्ञानिकों को ऐसे समय की पहचान करने की अनुमति दी है जब दो क्वासर एक ही समय में सक्रिय और इतने करीब होते हैं कि वे अंततः विलीन हो सकते हैं।

</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रोसोपिस चिलेंसिस
 </td>
<td>
सन्दर्भ:

एक अध्ययन के अनुसार वर्तमान में प्रोसोपिस चिलेंसिस विदेशी आक्रामक प्रजाति मन्नार की खाड़ी बायोस्फीयर रिजर्व (GoMBR) की खाड़ी की 21 द्वीपों में देशी वनस्पति को नष्ट कर रही है।

मुख्य विशेषताएं:

प्रोसोपिस चिलेंसिस फैबेसी परिवार से संबंधित वृक्ष की एक प्रजाति है। तथा यह सूखा प्रतिरोधी पौधा होता है।
यह एक छोटे से मध्यम आकार का फलीदार पेड़ है जो 12 मीटर ऊंचाई और 1 मीटर व्यास तक बढ़ता है।
यह मूल रूप से चार दक्षिण अमेरिकी देशों - अर्जेंटीना, बोलीविया, चिली और पेरू के शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है।
यह तूतीकोरिन, वेम्बर, किलाक्कराई और मंडपम समूहों में विभाजित द्वीपों के लिए एक समस्या है।
इन द्वीपों के पास कई स्थानों पर प्रवाल भित्तियों को नष्ट कर दिया गया है, हालांकि

</td>
</tr>
</table>

	औद्योगिक उद्देश्यों के लिए प्रवाल उत्खनन को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया है। **मन्नार की खाड़ी बायोस्फीयर रिजर्व GoMBR:** • भारत के दक्षिण-पूर्वी सिरे पर स्थित, मन्नार समुद्री बायोस्फीयर रिजर्व की खाड़ी दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में पहला समुद्री बायोस्फीयर रिजर्व है। • यह आर्कटिक वृत्त तक प्रवास करने वाले तटीय पक्षियों के लिए महत्वपूर्ण आवासों में से एक है। • इसमें कुल 21 द्वीप हैं जो आर्कटिक वृत्त तक पलायन करने वाले तटीय पक्षियों के आवास के रूप में काम करते हैं। • भारत के तमिलनाडु में मन्नार क्षेत्र की खाड़ी, चार प्रमुख प्रवाल भित्ति क्षेत्रों में से एक है और अन्य गुजरात में कच्छ की खाड़ी, लखद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह हैं।
W12+ ब्लूप्रिंट W12+	**सन्दर्भ:** • हाल ही में सयुंक्त राष्ट्र जल सम्मेलन 2023 का आयोजन न्यूयॉर्क में किया गया जिसमें प्रतिभागी सदस्यों को W12+ ब्लूप्रिंट और इसकी क्षमता के बारे में बताया गया था। **W12+ ब्लूप्रिंट:** • UNESCO IHP के साथ साझेदारी में लॉन्च किया गया W12+ ब्लूप्रिंट एक ऑनलाइन डेटाबेस और नॉलेज-शेयरिंग प्लेटफॉर्म है। • लाइव डेटाबेस शहर के प्रोफाइल और कार्यक्रमों, प्रौद्योगिकियों, नीतियों और अन्य कार्यों के मामले के अध्ययन को होस्ट करता है जो इस क्षेत्र में काम करने वाले संसाधनों के अलावा सामान्य जल सुरक्षा चुनौतियों को संबोधित करता है। • यह ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के साथ सर्वोत्तम जानकारी प्रदान करेगा जिससे विश्व स्तर पर शहरी जल सुरक्षा समाधानों के लिए "वर्चुअल हब" बन सके। • भारत से इस ब्लूप्रिंट के तहत सूचीबद्ध शहर चेन्नई, बेंगलुरु, मुंबई और पुणे हैं।
संयुक्त राष्ट्र जल	**सन्दर्भ:**

सम्मेलन

- हाल ही में 22-24 मार्च को संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन आयोजित किया गया था, जो 46 वर्षों में इस तरह की पहली बैठक थी।

मुख्य विशेषताएं:

- सम्मेलन ने 2030 तक पानी के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को पूरा करने की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य सभी के लिए पानी और स्वच्छता की उपलब्धता और टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करना है।
- स्थानीय जल समस्याओं ओर स्थानीय समाधानों की आवश्यकता के कारण जल क्षेत्र के विखंडन की संभावना है, जो स्थानीय समस्याओं के लिए विश्व स्तर पर एकजुट होने में एक चुनौती प्रस्तुत करता है।
- 1977 में पिछले संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन के परिणामस्वरूप सभी के लिये सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की एक वैश्विक कार्ययोजना तैयार की गई थी।
- अधिक आबादी तक सेवाओं का विस्तार करने के लिए अधिक धन की आवश्यकता होती है, जैसा कि भारत में स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से किया जा रहा है।
- इस वर्ष के सम्मेलन के परिणामस्वरूप भारत के जल जीवन मिशन से $50 बिलियन की प्रतिबद्धता सहित परोपकारी दाताओं, सरकारों, निगमों और गैर सरकारी संगठनों से 713 स्वैच्छिक प्रतिबद्धताएं हुईं।
- इस सम्मेलन में वंचित समुदायों और महिलाओं को अपने अधिकारों का प्रयोग करने में मदद करने के लिए W12+ ब्लूप्रिंट और 'मेकिंग राइट्स रियल' जैसे ज्ञान-साझाकरण और उपकरणों पर भी ध्यान केंद्रित किया।

इज़ू-ओगासवारा ट्रेंच

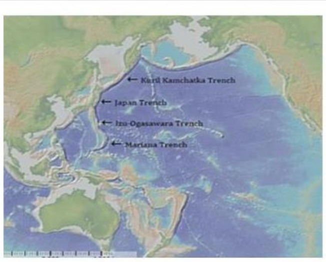

सन्दर्भ:

- हाल ही में अब तक की सबसे गहरी मछली को इज़ू-ओगासवारा ट्रेंच में फिल्माया गया था, जिसने मारियाना ट्रेंच में तैरने वाली मछली को फिल्माने के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया था।

इज़ू-ओगासवारा ट्रेंच के बारे में:

- इज़ू-ओगासवारा ट्रेंच, जिसे इज़ू-बोनिन ट्रेंच के नाम से भी जाना जाता है, पश्चिमी

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

प्रशांत महासागर में स्थित एक गहरी समुद्री खाई है।

- यह ट्रेंच 9,780 मीटर (32,087 फीट) की गहराई के साथ दुनिया के महासागरों में सबसे गहरे बिंदुओं में से एक होने के लिए जानी जाती है।
- यह ट्रेंच मारियाना ट्रेंच के समानांतर चलती है, जो दुनिया के महासागरों में लगभग 10,935 मीटर (35,876 फीट) की गहराई पर सबसे गहरा बिंदु है।

फेम योजना

सन्दर्भ:

- हाल ही में संसदीय पैनल ने देखा कि सरकार ने फेम योजना के दूसरे चरण के तहत पिछले चार वर्षों के दौरान लक्ष्य का 52% हासिल कर लिया।

मुख्य विशेषताएं:

- FAME (फास्टर अडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ (हाइब्रिड एंड) इलेक्ट्रिक व्हीकल) योजना भारत में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 2015 में शुरू की गई एक सरकारी पहल है।
- इस योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास और निर्माण का समर्थन करना, मांग पैदा करना और भारत को इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है।
- इस योजना के तहत, स्वामित्व की समग्र लागत को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के खरीदारों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है।
- ये प्रोत्साहन दोपहिया, तिपहिया, चौपहिया और बसों के खरीदारों के लिए उपलब्ध हैं।
- फेम योजना को दो चरणों में लागू किया गया है।
  - FAME I (जिसे 2015 में लॉन्च किया गया था) ने इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग पैदा करने और आवश्यक बुनियादी ढांचे की स्थापना पर ध्यान केंद्रित किया।
  - FAME II को 2019 में तीन साल की अवधि में 10,000 करोड़ रुपये के कुल बजट के साथ लॉन्च किया गया था।
  - FAME II का फोकस सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देना और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है।
  - नोट: भारत सरकार ने 2030 तक देश में 30% इलेक्ट्रिक वाहन पैठ हासिल

	करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare